नीतीश कुमार का यू टर्न, मोदी के नोटबंदी के फैसले पर उठाए सवाल

पटना-बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज आरोप लगाया कि नोटबंदी के दौरान बैंकों ने अपना काम ठीक से नहीं किया, यही वजह है कि लोगों को नोटबंदी का जितना फायदा मिलना चाहिये था वह नहीं मिल पाया। बैंकों की राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की तिमाही समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये कुमार ने कहा की बड़े डिफाल्टर भारी कर्ज राशि लेने में सफल रहे और उसके बाद देश छोड़कर भाग गये जबकि गरीब आदमी को कर्ज वसूली के कठोर उपायों का सामना करना पड़ता है। नीतीश कुमार ने यह कहकर अप्रत्यक्ष रूप से पंजाब नेशनल बैंक में हाल में हुये नीरव मोदी घोटाले की तरफ इशारा किया। उन्होंने कहा, ''छोटे कर्जदारों को दिये कर्ज को लेकर तो बैंक काफी सख्ती दिखाते हैं, ऐसी ही सख्ती बड़े कर्जदारों के मामले में क्यों नहीं दिखाई जाती है?'' उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार ने नोटबंदी के उपाय का उस समय भी समर्थन किया था जब वह राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ महागठबंधन की सरकार चला रहे थे। नीतीश जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं।

बैंकों की बैठक में उन्होंने कहा, ''मैंने नोटबंदी का समर्थन किया था, लेकिन बैंकों ने नोटबंदी में जिस तरह की भूमिका निभाई उसकी वजह से लोगों को उतना फायदा नहीं मिल पाया जितना मिलना चाहिये था। लोगों ने बंद किये गये नोटों की भारी राशि जमा कराई जो कि बाद में वाजिब धन बन गया।'' नीतीश कुमार ने बैंकों से सहयोग नहीं मिलने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि राज्य छात्र क्रेडिट कार्ड योजना के तहत प्रत्येक 100 रुपये के उधार के लिये बिहार सरकार ने 160 रुपये की गारंटी की पेशकश की है इसके बावजूद बैंकों का राज्य को समर्थन नहीं मिल पा रहा है। राज्य के उप - मुख्यमंत्री सुशील मोदी ने बैठक के बाद संवाददाताओं के साथ बातचीत में इस तरह के सुझावों को खारिज कर दिया कि नीतीश के कहने का तात्पर्य यह था कि नोटबंदी अपने उद्देश्य को पाने में असफल रही। मोदी ने कहा, ''यह समझना पूरी तरह से गलत होगा। मुख्यमंत्री ने यह नहीं कहा कि नोटबंदी असफल रही है।

उन्होंने यह कहा कि नोटबंदी को अमल में लाते समय कुछ बैंकों की भूमिका ठीक नहीं रही ... उस समय जिन नोटों को चलन से हटाया गया था उनको अनियमित ढंग से बैंकों में जमा होने की रिपोर्टें उस समय आई थी।'' उप - मुख्यमंत्री ने हालांकि राज्य के सालाना रिण योजना लक्ष्य के 91 प्रतिशत हासिल करने की सराहना की। राज्य के लिये 1.10 लाख करोड़ रुपये के सालाना रिण लक्ष्य के मुकाबले बैंकों ने 2017-18 में 99,934 करोड़ रुपये का रिण वितरण किया जो कि लक्ष्य का 90.85 प्रतिशत रहा।

आयरलैंड में हुए जनमत सर्वेक्षण के बाद खत्म होगा गर्भपात पर लगा प्रतिबंध

लंदन-आयरलैंड में गर्भपात पर प्रतिबंध हटाने का आज एक जनमत संग्रह में 66.4 लोगों ने समर्थन किया। मीडिया में आई एक खबर में यह कहा गया। बीबीसी की खबर के मुताबिक महिला की जान को खतरा होने की स्थिति में ही अभी गर्भपात की इजाजत है और बलात्कार के मामलों में यह नहीं है। भारतीय मूल के प्रधानमंत्री लियो वरदकर ने जनमत संग्रह के नतीजों की घोषणा की। इस संबंध में आई पहली आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक गर्भापत के खिलाफ किए गए संशोधन को निरस्त करने की मांग को 66 प्रतिशत लोगों का समर्थन हासिल हुआ है।

वरदकर ने कहा, 'लोगों ने अपनी राय जाहिर कर दी। उन्होंने कहा है कि एक आधुनिक देश के लिए एक आधुनिक संविधान की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि आयरलैंड के मतदाता, ''महिलाओं के सही निर्णय लेने और अपने स्वास्थ्य के संबंध में सही फैसला करने के लिए उनका सम्मान और उन पर यकीन करते हैं।'' गौरतलब है कि आयरलैंड में भारतीय दंतचिकित्सक सविता हलप्पनवार को 2012 में गर्भपात की इजाजत नहीं मिलने पर एक अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। उनकी मौत ने देश में गर्भपात पर चर्चा छेड़ दी। सविता के पिता आनंदप्पा यालगी ने कर्नाटक स्थित अपने घर से कहा कि उन्हें आशा है कि आयरलैंड के लोग उनकी बेटी को याद रखेंगे।

मेरी सफलता का कोई गुप्त फार्मूला नहीं-सीबीएसी टॉपर मेघना श्रीवास्तव

नई दिल्ली-सीबीएसई की 12वीं की बोर्ड परीक्षा में पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त करने वाली मेघना श्रीवास्तव ने आज कहा कि उनकी सफलता का कोई गुप्त फार्मूला नहीं है और लगातार कड़ी मेहनत करने से ही उन्हें यह कामयाबी मिली है। मेघना नोएडा की रहने वाली हैं और वहां के %स्टेप बाय स्टेप स्कूल' की छात्रा हैं। मेघना को अंग्रेजी (कोर) में 99 जबकि अन्य विषयों- मनोविज्ञान, इतिहास, भूगोल और अर्थशास्त्र में 100 में से 100 अंक मिले। उन्होंने पत्रकारों को बताया, ''यह वाकई रोमांचित करने वाला अनुभव है। कोई राज नहीं है। पूरे साल कड़ी मेहनत करनी होती है।'' मेघना सीबीआई के पूर्व निदेशक अनिल सिन्हा की भतीजी हैं। सिन्हा ने बताया कि मेघना हमेशा से प्रतिभाशाली छात्रा रही हैं। सिन्हा ने कहा, ''वह हमेशा से काफी प्रतिभाशाली और बहुत पढ़ने वाली लड़की रही है। उसने हमारे परिवार का नाम रोशन किया है और हमें उस पर गर्व है।''

परीक्षा में 99.6 प्रतिशत अंक के साथ देश भर में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली अनुष्का चंद्रा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और स्कूल के प्रधानाचार्य को दिया। गाजियाबाद के सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल की छात्रा अनुष्का को अंग्रेजी (कोर) में 98 जबकि इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान और मनोविज्ञान में पूरे 100 अंक मिले। अनुष्का ने पत्रकारों को बताया, ''मैं बहुत खुश हूं। यह काफी भावुक क्षण है। मैं अपने माता-पिता और स्कूल का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं।'' आज सीबीएसई की 12वीं कक्षा के नतीजों की घोषणा हुई।

नेशनल हेराल्ड मामला-अदालत ने सुब्रमण्यम स्वामी की अर्जी खारिज की

नई दिल्ली-दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की वह अर्जी आज खारिज कर दी, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, उनकी मां सोनिया गांधी और अन्य अधिकारियों को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि या तो वे स्वीकारें या फिर नकारें कि उनकी ओर से दाखिल किए गए कुछ दस्तावेज असली हैं। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट समर विशाल ने अर्जी खारिज करते हुए कहा कि किसी आरोपी को किसी दस्तावेज का लेखक नहीं बताया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अर्जी से मुकदमे की कार्यवाही में देरी हो रही है। अदालत ने अपने आदेश में कहा, ''कुछ कानूनी सीमा के कारण जब दस्तावेज खुद ही साक्ष्य के तौर पर स्वीकार्य नहीं हैं (प्रासंगिकता के सवाल के इतर) तो आरोपी इन दस्तावेजों को न तो स्वीकार कर और न नकार कर कानूनी तौर पर खुद को सही ठहराते हैं।''

आदेश के मुताबिक,''लिहाजा, उक्त कारणों से सीआरपीसी की धारा 294 के तहत दायर उस अर्जी को अनुमति नहीं दी जा सकती जिसमें आरोपियों को दस्तावेज स्वीकारने या नकारने के निर्देश देने के लिए कहा गया है।'' भाजपा नेता स्वामी ने एक निजी आपराधिक शिकायत में राहुल और सोनिया गांधी एवं अन्य पर आरोप लगाया है कि उन्होंने महज 50 लाख रुपए का भुगतान कर धोखाधड़ी और कोष में गड़बड़ी की साजिश की, जिसके जरिए यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड ने 90.25 करोड़ रुपए की वह रकम वसूलने का अधिकार हासिल कर लिया जिसे असोसिएट जर्नल्स लिमिटेड को कांग्रेस को देना था। अदालत ने स्वामी की दो अन्य अर्जियों का भी निपटारा कर दिया। इनमें से एक अर्जी में कांग्रेस पार्टी से कुछ दस्तावेज मांगे गए थे जबकि दूसरे में मजिस्ट्रेट से अनुरोध किया गया था कि वह आयकर विभाग से जुड़े कुछ दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लें। अदालत ने कहा कि इन अर्जियों पर फैसला बाद में होगा। मजिस्ट्रेट ने कहा कि दोनों अर्जियों की ''प्रासंगिकता और स्वीकार्यता'' पर साक्ष्य या फैसले के चरण में निर्णय किया जाएगा। अदालत ने कहा, ''शिकायतकर्ता सीआरपीसी की धारा 91 के तहत जिस तरह अर्जियां दे रहे हैं या दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लेने के लिए कह रहे हैं उससे कोई मकसद पूरा नहीं होता और इससे मुकदमे में देरी हो रही है।''

मजिस्ट्रेट ने कहा, ''मुकदमे में पहले ही देर हो चुकी है क्योंकि अभियोजन के साक्ष्य दर्ज करने की पहली तारीख 20 फरवरी 2016 थी और अब तक साक्ष्य पर काम शुरू नहीं हुआ है। ऐसे में मुकदमे में देरी हो रही है। इसे पटरी पर लाना होगा। लिहाजा, मुकदमे को पटरी पर लाने के लिए निर्देश दिया जाता है कि शिकायतकर्ता खुद अभियोजन के पहले गवाह के तौर पर अपना परीक्षण कराएंगे और इस मामले की आधारशिला रखेंगे।'' अदालत ने कहा कि इसके बाद गवाहों, अधिकारियों और अन्य को सम्मन किया जाएगा। मजिस्ट्रेट ने कहा कि स्वामी को उन गवाहों की एक सूची देनी होगी जिसमें उनके नाम या पदनाम या कोई अन्य प्रासंगिक ब्योरा देना होगा जिसमें ऐसे दस्तावेजों का ब्योरा होगा जो वे गवाह साबित करेंगे। अदालत ने स्वामी के परीक्षण के लिए 21 जुलाई की तारीख तय कर दी। सभी सात आरोपियों - सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सुमन दुबे, सैम पित्रौदा और यंग इंडियन-ने इस मामले में अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को नकारा है। अदालत ने आरोपियों को 26 जून 2014 को तलब किया था।

महंगाई पर विपक्ष अनावश्यक रूप से माहौल खराब कर रहा है- योगी

लखनऊ-उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज कहा कि महंगाई के मुद्दे पर विपक्ष अनावश्यक रूप से माहौल खराब करने की कोशिश कर रहा है। योगी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''विपक्ष जो भय दिखा रहा है वास्तव में वैसा नहीं है। महंगाई को लेकर केन्द्र सरकार सजग है। आवश्यक वस्तुओं के दाम नियंत्रित किए गए हैं। विपक्ष अनावश्यक माहौल खराब कर रहा है।'' योगी से महंगाई को लेकर सवाल किया गया था। मुम्बई में शिवाजी की मूर्ति पर खड़ाऊ पहनकर माल्यार्पण करने को लेकर उपजे विवाद पर योगी ने कहा कि मूर्ति के सामने कैसे माल्यार्पण करना है, उन्हें पता है, इस बारे में कोई दूसरा उन्हें उपदेश नहीं दे। उल्लेखनीय है कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने योगी आदित्यनाथ द्वारा शिवाजी की प्रतिमा पर खड़ाऊ पहनकर माल्यार्पण करने को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

जन अपेक्षाओं पर खरी नही उतरी भाजपा सरकार-अखिलेश यादव

लखनऊ-समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के चार साल देशवासियों के लिए घोर निराशा के रहे हैं और यह सरकार जन अपेक्षाओं पर किसी भी तरह से खरी नहीं उतरी है। उन्होंने कहा कि समाज को बांटने की राजनीति के हावी रहते विकास की धारा अवरूद्ध होती गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के पड़ोसी देशों से संबंधों में सुधार नहीं हुआ और प्रधानमंत्री एजेंडा-विहीन विदेश यात्राएं करते रहे है। उन्हें देश की 'जीरो-डिलेवरी सरकार' कहा जाए तो अनुचित नहीं होगा।

केंद्र की भाजपा सरकार के चार साल पूरे होने पर आज शाम जारी एक बयान में पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि ''राजनीति में भ्रष्टाचार को प्रश्रय, बैंकिंग सिस्टम में विफलता, घोटालेबाज आजाद, पेट्रोल डीजल के दामों में उछाल, मंहगाई की मार, नोटबंदी-जीएसटी से व्यापार चौपट, नौकरियों से छंटनी, निवेश के नाम पर दिखावा, दलित, महिलाओं पर अत्याचारों में वृद्धि और सामाजिक विषमता और रागद्वेष की कार्रवाइयां यही भाजपा सरकार की चार साल की उपलब्धियां रही है।'' उन्होंने कहा कि चार साल में आर्थिक कुप्रबंधन के चलते आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। नोटबंदी और जीएसटी के कारण कृषि, व्यापार सभी चौपट हुए हैं और रोजगार सृजन की जगह नौकरियों से बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी हुई है।

यादव ने दावा किया कि केंद्र में भाजपा के चार साल में असहिष्णुता का भयानक दौर रहा है। दलितों और अल्पसंख्यकों में असुरक्षा, संवैधानिक संस्थानों के साथ मनमानी, विपक्ष के प्रति तिरस्कार की भावना, विरोधी आवाज पर क्रूर दमनात्मक कार्यवाही और संविधान की अनदेखी रोजमर्रा की बात बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के चार सालों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सबसे ज्यादा प्रहार हुए है। राजनीति में भाषा की शिष्टता और आचरण की शालीनता का पक्ष प्रभावित हुआ है। पूरे चार साल प्रधानमंत्री और उनके नेतृत्व में भारत सरकार सिर्फ सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाने और जनतांत्रिक सोच में अवरोध पैदा करने का ही काम करती रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक-रवि कुमार पोत्दार, 71/74, सुयश विहार, भमोरी दुबे, इन्दौर से प्रकाशित एवं आर्टटेक ग्राफिस, 864/9, नेहरु नगर, इन्दौर म०प्र० से मुद्रीत
प्रधान संपादक-रवि कुमार पोत्दार आर.एन.आई. नम्बर-12782/2003 e-mail- censortimes@ hotmail.com Mob No-9926631707